चंदखुरी, गरिौदपुरी और सोनाखान का बदलेगा नाम

चर्चा में क्यों?

1 अगस्त, 2022 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क वभिाग के एक अधकिारी ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के महापुरुषों तथा आस्था के केंद्रों को जनभावनाओं के अनुरूप नई पहचान देने के लयि रायपुर और बलौदाबाज़ार-भाटापारा ज़लिों के तीन गाँवों का नाम बदलने का नर्दिेश दयिा है।

प्रमुख बदि‍ु

- जनि तीन गाँवों का नाम बदलने का नर्दिेश मुख्यमंत्री ने दयिा है, उनमें रायपुर ज़लि‍े का चंदखुरी तथा बलौदाबाज़ार-भाटापारा ज़लि‍े के गरिौदपुरी और सोनाखान गाँव शामलि हैं।
- मुख्यमंत्री के नर्दिेश के बाद अब भगवान श्री राम की माता कौशल्या की जन्मस्थली माने जाने वाले चंदखुरी का नाम बदलकर ‘माता कौशल्या धाम चंदखुरी’ कर दयिा जाएगा।
- इसी तरह सतनाम पंथ के लोकप्रयि तीर्थस्थल गरिौदपुरी को ‘बाबा गुरु घासीदास धाम गरिौदपुरी’ कहा जाएगा और सोनाखान का नाम बदलकर ‘शहीद वीर नारायण सहि धाम सोनाखान’ रखा जाएगा।
- गौरतलब है कि राज्य की महत्त्वाकांक्षी ‘राम वन गमन’ पर्यटन सर्कटि परयिोजना में शामलि चंदखुरी को भगवान श्री राम की माता कौशल्या का जन्मस्थान माना जाता है। यहाँ तालाब के बीचों-बीच माता कौशल्या का मंदरि है, जो 10वीं शताब्दी में बनाया गया था।
- गरिौदपुरी सतनाम पंथ का सबसे बड़ा धार्मकि-सामाजकि केंद्र है। महानदी की कछार में स्थति बलौदाबाज़ार-भाटापारा ज़लि‍े का यह छोटा-सा गाँव 18वीं सदी के सतनाम संत और महान समाज सुधारक बाबा गुरु घासीदास की जन्मभूमि और तपोभूमि है।
- सोनाखान में जन्में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीर नारायण सहि 1857 की क्रांति में छत्तीसगढ़ के प्रथम शहीद माने जाते हैं। वीर नारायण सहि को 10 दसिंबर, 1857 को रायपुर के जयस्तंभ चौक पर अंग्रेज़ों ने फाँसी दे दी थी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chandkhuri-giroudpuri-and-sonakhan-will-be-renamed